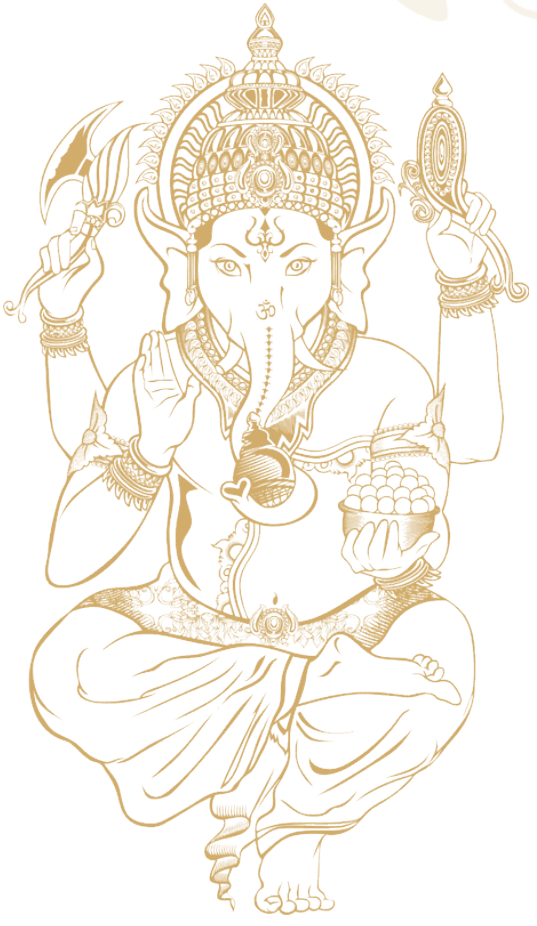

Naveen

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121866503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	01/08/1993
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	23:05:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	44:55:12 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Sikar
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	05:51:46
16:55:09	सूर्यास्त	19:18:31
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:20

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 16वर्ष 6मा 9दि		29:59:28	मिथु	लग्न	मेष	03:00:14	सूर्य 1वर्ष 5मा 18दि	
केतु		20:59:59	तुला	सूर्य	कर्क	15:41:41	राहु	
18/05/2025		05:04:11	वृश्चि	चंद्र	मक	06:44:23	20/01/2012	
17/05/2032		21:13:20	तुला	मंगल	सिंह	29:47:40	19/01/2030	
केतु	14/10/2025	10:43:48	वृश्चि	बुध	मिथु	26:45:19	राहु	02/10/2014
शुक्र	14/12/2026	16:42:54	सिंह	गुरु	कन्या	16:05:47	गुरु	24/02/2017
सूर्य	21/04/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	मिथु	05:59:12	शनि	01/01/2020
चन्द्र	20/11/2027	07:22:28	मक	शनि व	कुंभ	04:31:13	बुध	21/07/2022
मंगल	17/04/2028	17:29:32	धनु व	राहु व	वृश्चि	16:51:15	केतु	08/08/2023
राहु	05/05/2029	17:29:32	मिथु व	केतु व	वृष	16:51:15	शुक्र	08/08/2026
गुरु	11/04/2030	17:05:41	धनु	हर्ष व	धनु	25:38:49	सूर्य	03/07/2027
शनि	21/05/2031	20:43:52	धनु	नेप व	धनु	25:27:02	चन्द्र	01/01/2029
बुध	17/05/2032	26:19:23	तुला	प्लूटो व	तुला	28:56:56	मंगल	19/01/2030

लग्न-चलित

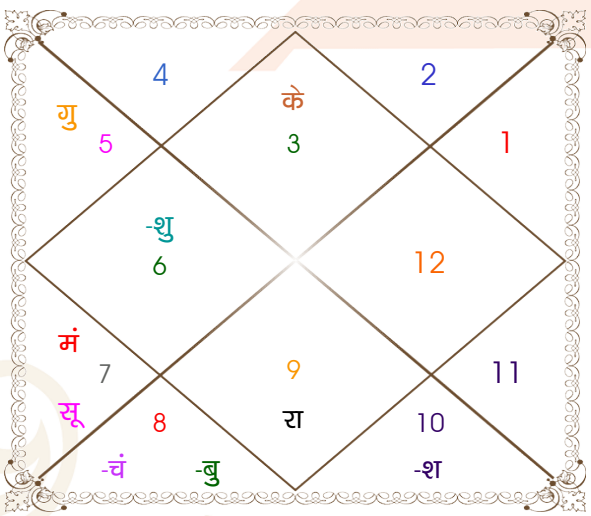

लग्न-चलित

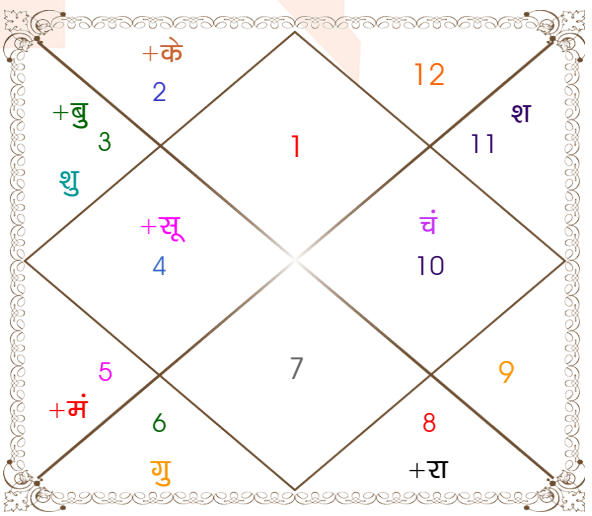

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Priya का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Priya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Priya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Naveen तथा Priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।